रपट
विद्या आश्रम कार्यकारिणी बैठक
शाम 5 बजे , 18 अप्रैल, 2023

दिनांक 18 अप्रैल 2023 शाम 5 बजे से 6 बजे तक ज़ूम पर विद्या आश्रम कार्यकारिणी की बैठक हुई.

उपस्थित सदस्य : लक्ष्मण प्रसाद, एहसान अली, जे.के. सुरेश, गिरीश सहस्रबुद्धे , बी. कृष्णराजुलु ,अभिजित मित्रा, अविनाश झा, नरेश शर्मा, और चित्रा सहस्रबुद्धे

आमंत्रित : रामकृष्ण गाँधी

यह वित्तीय वर्ष 2023-24 की विद्या आश्रम की पहली कार्यकारिणी बैठक थी. बैठक का सञ्चालन गिरीश ने किया और पहले से तय अजेंडा के अनुसार कार्यकारिणी ने निम्नलिखित बिन्दुओं पर बात की. सभी सदस्यों ने चर्चा में हिस्सा लिया.

- विद्या आश्रम न्यास समिति की 31 मार्च 2023 की बैठक में लिए गए निर्णयों पर चर्चा हुई और सर्वसहमति से इन्हें आकार देने के कार्यों पर विचार हुआ. डॉ. गिरीश ने न्यास समिति में लिए गए निर्णयों को सबके सामने रखा.विद्या आश्रम के मुख्य कार्यक्रमों के तहत स्वराज ज्ञान पंचायत के महत्व को प्रासंगिक और महत्वपूर्ण कार्यक्रम के रूप में सर्व सहमति से स्वीकार किया गया है. कार्यकारिणी ने ऐसी पंचायत को आकार देने की तैयारी में लगने पर सर्वसहमति जाहिर की.
- विद्या आश्रम न्यास समिति का विस्तार करने पर हुई चर्चा में समन्वयक चित्रा सहस्रबुद्धे ने कहा कि विद्या आश्रम न्यास समिति में कुल 23 सदस्य हो सकते हैं, अभी 20 सदस्य हैं . 31 मार्च 2023 की विद्या आश्रम न्यास समिति की बैठक में समिति के विस्तार पर बात हुई थी और श्री विजय जावंधिया और डॉ. रामकृष्ण गाँधी के नामों का प्रस्ताव सामने आया था. कई दशकों से दोनों विद्या आश्रम के कार्यों के साथ रहे हैं. डॉ. कृष्णराजुलू ने दोनों व्यक्तियों के कार्य, अनुभव और योगदान के बारे में कार्यकारिणी को अवगत कराया. दोनों व्यक्तियों का आश्रम की न्यास समिति में शामिल किये जाने के प्रस्ताव का बैठक में सभी ने हर्षपूर्वक स्वागत किया.
- स्वराज ज्ञान पंचायत एक प्रमुख कार्यक्रम का रूप लें इस पर सर्वसहमति बनी. सुरेश ने कार्यक्रम के विचार, स्वरुप और उसकी रूपरेखा पर प्रकाश डाला और कहा कि हमें अपने अध्ययन और चिंतन को जनआन्दोलनों और बहुजन समाजों के नेतृत्व से संवाद के मार्फ़त संवर्धित कर स्वराज के स्वदेशी दर्शन और आज के अनुकूल इसके रूप को उजागर करना होगा.
- वाराणसी ज्ञान पंचायत के कार्य वाराणसी से जारी रखने पर सहमति बनी. इसी तरह देश के अन्य शहरों में भी पहल ली जा सकती है, जो आगे स्वराज ज्ञान पंचायत का रूप लेने में मददगार होंगे.
- लोकविद्या समन्वय समूह की ओर से इंदौर में संजीव ने लोकविद्या आन्दोलन के साहित्य पर जो विडियो बनाये हैं, उनकी सभी ने सराहना की तथा ऐसे विडियो और भी बनाये जाने पर सहमति बनी. ये विडियो विद्या आश्रम की वेब साईट पर, यू ट्यूब पर अपलोड किये जाने चाहिए.
- गिरीश ने कहा कि विद्या आश्रम वेबसाईट को आकार देने का कार्य तेज़ी से आगे बढ़ रहा है और इसके लिए आवश्यक सामग्री को सभी सदस्य उन्हें भेजें.
- चित्राजी ने विद्या आश्रम, सारनाथ की व्यवस्थाओं के बारे में समिति को अवगत कराया और कहा कि वाराणसी और सारनाथ क्षेत्र में सरकार की विकास नीतियों के चलते ज़मीनों का अधिग्रहण तेज़ी से हो रहा है और विद्या आश्रम और इसके द्वारा हो रहे कार्य भी प्रभावित होंगे. अभी स्थिति के बारे में अस्पष्टता है और बातें स्पष्ट होंगी तो कार्यकारिणी को अवगत कराई जाएँगी.

- वित्त के बारे में चित्राजी ने कहा कि पिछले दो वर्षों से नए शुरू हुए कार्यक्रमों के चलते खर्च अधिक (लगभग 13.5 लाख प्रति वर्ष) हो रहा है और इतना संग्रह नहीं हो पाता है. ऐसी स्थिति में लोकविद्या सत्संग और फेलोशिप जैसे कार्यक्रमों को फिलहाल स्थगित किया जाय तो प्रति माह 20-25 हज़ार रुपयों का खर्च कम कर पायेंगे. यह विचार बना कि फिलहाल इन कार्यक्रमों को कुछ महीनों के लिए स्थगित किया जाय और छः-सात महीनों बाद इस पर पुनः एक बार विचार कर लें.
- रामकृष्ण गांधी ने विद्या आश्रम की न्यास समिति में शामिल होकर लोकविद्या आन्दोलन को समृद्ध और सुदृढ़ बनाने में सहमति प्रदान की.
- अंत में सभी को धन्यवाद साथ बैठक समापित हुई.

चित्रा सहस्रबुद्धे

समन्वयक, विद्या आश्रम